2001

सं भो वि/ सोनीपत/8-86/23598.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं हिल्टन रवड़ लि॰ यूनिट नं 2, बढ़खालसा, सोनीपत, के श्रमिक श्री कंबर सिंह, चौहान, पुत्र श्री नवल सिंह चौहान, मकान नं 812, चौहान कलोनी, गोहाना रोड़, सोनीपत, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई भौद्योगिक विवाद है;

श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रांधितयम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधसूचना सं 9641-1-श्रीम/18/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी श्रिधसूचना की धारा 7 के श्रीकेन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादशस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचांट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों सथा श्रमिक के बीच या तो विवादशस्त भामला है या उक्त विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या भी कंवर सिंह चौहान, की सेवाओं का समापन ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकवार है ?

सं बी वि/ ०एफ ० डी ० / 24-86 / 23622 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० कम इंजिनियरिंग वर्कस, प्लांट नं 114, सैक्टर 6 फरीदाबाद, के श्रमिक श्री रोशन लाल, मार्फत श्री के० एल० शर्मा, जी-15, पुराना प्रेस कलोनी एन० श्राई० टी० फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई बीबोगिक विवाद है ?

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, धौद्योगिक विवाद धिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपद्यारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिव्या का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 5415—3-श्रम—68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुये ग्रिधिसूचना सं० 11495—जी—श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त श्रिधिनियम की छाग 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायितणैय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित नामला है:—

क्या श्री रोशन लाल की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का

मं श्रो वि ्रिएफ छी ्रे 24-86/23629.—चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं कर्म इंजिनियरिंग वर्कस, प्लाट नं 114, मैंक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री रसील सिंह, मार्फत श्री के ुएल शर्मा, जी-15, पुराना प्रेस कलोनी एन०. श्राई० टी० फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भ्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अर्ब, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा श्रदान की गई कित्यों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिमूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए अधिमूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठिन श्रम न्यायालय, फरीरावाद, को विवाद अस्त या उपसे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनणैय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवाद अस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :---

्षया श्री रसील सिंह, की सेवाद्यों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह विस राहत का हक्दार है?

सं शो वि । एक इंडि । 10 2-86/23636.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं गजट इंडिएंग, 'लाट नं 16, सैक्टर 27, फरीदाबाद, के श्रमिक श्रीमती किरन बाला, मार्फत श्री श्याम सुन्दर गुप्ता, 50, निलम चौक, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

भौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाण। के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना स० 5415—3-श्रम—68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रधिसूचना सं० 11495—जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा संबंधित भामला है :--

क्या श्रीमती किरन बाला की सेवाग्रों का समापन त्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?